पर्यटन पर्व (आख्या)

नवोदय विद्यालय समिति लखनऊ के पत्रांक एफ.6–19 सामान्य –P.Parv) नविस – 2017/ल०क्षे० दिनांक 12.10.2017 के अनुपालन में विद्यालय में प्रातः कालीन सभा में प्राचार्य जी ने पर्यटन के संदर्भ में प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी देश की अर्थ – व्यवस्था में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है । भारत में पर्यटन एक उद्योग के रूप में विकास की ओर निरंतर अग्रसर है इसकी संभावनओं को तलाशने हेतु भारत सरकार में पर्यटन मंत्रालय तेजी से काम कर रहा है। उत्तर से दक्षिण तथा पश्चिम से सुदूर पूर्व तक भारत में पर्यटन की बेशूमार संभावनाएं हैं। पर्यटन के क्षेत्र में कैरियर को संवारने की अपार संभावनाएं हैं।

अपराह्न 3:30 बजे '' भारत में पर्यटन अतुल्य भारत '' पर अन्तर्सदनीय भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने उत्साह से भाग लिया ।छात्र वक्ताओं ने बताया कि दक्षिण भारतीय राज्य तामिलनाड् भारत में सर्वाधिक विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने वाला राज्य है। गोवा, मुबंई, राजस्थान, हिमाचल,जम्मू कश्मीर, आदि भी पर्यटन की दृष्टि से भारत के अग्रणी राज्यों में शुमार है।

बच्चों ने अपने भाषण में पर्यटन मंत्रालय ने भारत के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सन 2002 में अतुल भारत अभिमान की शुरूआत की इसके द्वारा भारत की पर्यटन संबंधी विशिष्टता का विज्ञापन अतुल्य भारत के नाम से प्रिंट एवम् इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से किया जा रहा है। विश्वभर में इस प्रचार अभियान ने भारत को एक ऐसे पर्यटन स्थान के रूप में दर्शाया जिसमें कथा प्रेमियों , संस्कृति प्रेमियों, फिल्म प्रेमियों और रोमांस की तलाश में निकले पर्यटक की काफी दिलचस्पी पैदा हुई ।

भारत मनमोहक दृश्यों , एतिहासिक महत्व के स्थानों व शानदार शहरों ,समुद्र तटों, पर्वतों, समृद्ध संस्कृति व त्योहरों का देश है, जो कि विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केन्द्र है।

सभा के अन्त में प्राचार्य जी ने स्थान प्राप्त प्रतिभागियों के नाम घोषित करते हुए कहा है कि पर्यटन को बढ़ावा देने में हमारी भी भागीदारी हो उन्होंने अपने गॉव–समाज व देश को स्वच्छ व सुन्दर बनाने का संदेश दिया।

Kamlesh
डा० कमलेश कुमारी जारवड
पी. जी. टी. (हिन्दी)

प्राचार्य